हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, शुक्रवार 20 फरवरी 2026

11 भारतीय ज्ञान परंपरा के प्रसार में दयानंद का योगदान अहम

12 50 वर्षों से काबिज दुकानदारों का किराया पुन...

खबर संक्षेप

ट्यूबवेल से केबल चोरी, केस दर्ज

महेंद्रगढ़। खुड़ाना मोड़ स्थित एक ट्यूबवेल से अज्ञात चोरों द्वारा केबल चोरी करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव खुड़ाना निवासी अजीत सिंह ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 11 फरवरी को वाटर सप्लाई के सामने स्थित उनके ट्यूबवेल की मोटर खराब हो गई थी, जिसे निकालने के बाद केबल और पाइप वहीं छोड़ दिए गए थे। 12 फरवरी को जब वे मौके पर पहुंचे, तो वहां से केबल गायब मिली। केबल रात के समय चोरी होने का अनुमान है।

श्रीश्याम संकीर्तन महोत्सव 24 को

नारनौल। श्री श्याम भक्त मंडल के तत्वावधान में श्रीश्याम संकीर्तन महोत्सव का आयोजन 24 फरवरी को सुभाष भगत के निवास स्थान मोहल्ला कायस्थवाड़ा में किया जाएगा। डॉ. राहुल शर्मा ने बताया कि अगले दिन 25 फरवरी दोपहर दो बजे से सुभाष भगत के निवास स्थान से शोभायात्रा निकाली जाएगी।

बवानिया में नकदी और आभूषण चोरी

कनीना। खंड के गांव बवानिया में अज्ञात चोरों ने एक घर में दबिश देकर हजारों रुपये की नकदी व आभूषण चोरी कर लिए। इस बारे में नितिन कुमार ने दौंगड़ा अहीर पुलिस चौकी में दी शिकायत में बताया कि वह अपने सीएससी केंद्र पर था, उसकी पत्नी किसी शादी समारोह में शामिल होने चली गई। जब वापस आकर देखा तो घर के दरवाजे पर लगे ताले टूटे पड़े थे।

खाटू पदयात्रियों के लिए शिविर आज से

नारनौल। श्रीश्याम सेवा समिति की ओर से श्रीगौड़ ब्राहमण सभा के प्रांगण मोहल्ला चौधरियान सब्जी मंडी के पीछे श्री खाटू श्याम जी जाने वाले पदयात्रियों के लिए सेवा शिविर का आयोजन 20 फरवरी से किया जाएगा। शुक्रवार से शुरू होने वाले इस चार दिवसीय सेवा शिविर में श्रीश्याम जाने वाले पदयात्रियों के लिए रहने, खाने की निःशुल्क व्यवस्था होगी। श्रीगौड़ ब्राहमण सभा के कार्यालय प्रभारी पंडित भागीरथ शर्मा ने बताया कि श्रीश्याम सेवा समिति पदयात्रियों के लिए खाने, रहने व चिकित्सा व्यवस्था करेगी।

नांगल मोहनपुर से युवक लापता

कनीना। उपमंडल के गांव नांगल मोहनपुर से 18 वर्षीय युवक लापता हो गया। गांव के बलवान सिंह ने पुलिस को शिकायत देकर बताया कि उसका 18 वर्षीय भतीजा हिमांशु दोपहर के समय बिना बताए कहीं चला गया, जो दरे सायं तक वापस नहीं लौटा। परिजनों ने अपने स्तर पर उसकी खोजबीन की, लेकिन कोई सुराग नहीं लगा।

13 गांव को मुआवजे देने की तैयारी

नेशनल हाइवे 152डी के लिए जमीन एक्वायर की पर नहीं मिला मुआवजा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

- राजपत्र में अधिसूचना जारी : नारनौल–गंगाहेड़ी खंड में राष्ट्रीय राजमार्ग–152डी के फोरलेन निर्माण के लिए की गई भूमि अधिग्रहण
- महेंद्रगढ़ जिला से 3 .2561 हेक्टेयर भूमि अधिग्रहण का प्रस्ताव, इनमें 13 गांव शामिल

केंद्र सरकार के सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने महेंद्रगढ़ जिले में इस्माइलाबाद (गंगाहेड़ी) से नारनौल तक राष्ट्रीय राजमार्ग-152डी के भू खण्ड के निर्माण (चौड़ीकरण/4 लेन/6 लेन का बनाना आदि), अनुरक्षण, प्रबंधन एवं संचालन के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस संबंध में मंत्रालय द्वारा 3 फरवरी 2026 को अधिसूचना जारी की गई, जिसे 4 फरवरी 2026 को भारत के राजपत्र (असाधारण), भाग-II, खंड-3, उप-खंड (ii) में प्रकाशित किया गया है। अधिसूचना में स्पष्ट किया है कि सभी प्रक्रिया राष्ट्रीय राजमार्ग अधिनियम 1956 की धारा 3ए के तहत की जा रही है।

जारी अधिसूचना के अनुसार राष्ट्रीय राजमार्ग-152डी के किलोमीटर 185.800 से किलोमीटर 227.020 तक के भू खंड के निर्माण (चौड़ीकरण/4 लेन/6 लेन का बनाना आदि), के निर्माण के लिए आवश्यक भूमि को सार्वजनिक प्रयोजन के लिए अधिग्रहित किया जाएगा। अधिसूचना में स्पष्ट किया गया है कि यह कार्य राष्ट्रीय राजमार्ग अधिनियम 1956 के प्रावधानों के अंतर्गत किया जा रहा है। अधिसूचना के तहत संबंधित भूमि का संक्षिप्त विवरण अनुसूची में दिया गया है। इसमें संरचना सहित एवं संरचना रहित भूमि दोनों शामिल हैं। प्रभावित भूमि महेंद्रगढ़ जिले के विभिन्न क्षेत्रों में स्थित है, जहां प्रस्तावित राष्ट्रीय राजमार्ग का निर्माण किया जाना है।

नारनौल। नेशनल हाइवे 152 डी।

21 दिन के भीतर दर्ज करा सकेंगे आपत्तियां

मंत्रालय ने अधिसूचना में कहा है कि जिन व्यक्तियों की भूमि इस परियोजना के दायरे में आती है और उन्हें किसी प्रकार की आपत्ति है, वे अधिसूचना के प्रकाशन की तिथि से 21 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में सक्षम प्राधिकारी, जिला राजस्व अधिकारी, महेंद्रगढ़ के समक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं। सक्षम प्राधिकारी द्वारा आपत्तियों पर व्यक्तिगत रूप से या विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से सुनवाई का अवसर दिया जाएगा और जांच के बाद नियमानुसार आदेश पारित किया जाएगा। सक्षम प्राधिकारी का निर्णय अंतिम होगा।

कार्यालय में उपलब्ध रहेगा भूमि का पूरा रिकॉर्ड

अधिसूचना में यह भी उल्लेख किया गया है कि अधिग्रहण से संबंधित भूमि के नक्शे और अन्य विवरण सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में उपलब्ध रहेंगे, जिनका निरीक्षण संबंधित भू-स्वामी कर सकते हैं। इसके अलावा अधिसूचना की प्रति ई-गजट और भू-अधिग्रहण पोर्टल पर भी उपलब्ध कराई गई है।

महेंद्रगढ़ जिले में यह रहेगी स्थिति

अधिसूचना के अनुसार किमी 185.800 से किमी 227.020 के बीच आने वाली कुल 3.2561 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण किया जाएगा। यह भूमि महेंद्रगढ़ जिले के विभिन्न गांवों में स्थित है।

इतने गांवों की भूमि होगी अधिग्रहित : अधिग्रहण प्रस्ताव में महेंद्रगढ़, नारनौल और कनीना तहसील के कुल 13 गांव शामिल हैं, जिनमें प्रमुख रूप से चितलांगा, भालखी, सुरजनवास, मेघनवास, बुचावास, सिहमा, जाट गुवाना, गुवानी, पौता, पाथेरा, डोंगरा अहीर, खेड़ी और खरकड़ा बास आदि गांव शामिल हैं।

भूमि का प्रकार और आंकड़े

- कुल अधिग्रहित भूमि : 3.2561 हेक्टेयर
- निजी कृषि भूमि : लगभग 2.0 हेक्टेयर से अधिक
- सरकारी नहर भूमि (हरियाणा सरकार) : लगभग 0.85 हेक्टेयर के आसपास
- ग्राम पंचायत की गैर-मुमकिन भूमि : लगभग 0.58 हेक्टेयर
- अधिसूचना में कुल 51 खसरा/सर्वे नंबर शामिल हैं।

क्या कहते हैं अधिकारी

इस संबंध में हेड आफिस भिवानी से 152डी एनएचएआई पीडी हेमेंद्र सिंह ने बताया कि नेशनल हाइवे 152डी पर कुछ मिसिंग केस सामने आए थे। जमीन अधिग्रहण कर ली और सड़क भी बना दी, उस जमीन का मुआवजा नहीं मिला। इस तरह के केस सामने आने पर राजस्व विभाग ने जमीन चिन्हित की है। ऐसे लोगों को उनका मुआवजा मिले, इसके लिए अधिसूचना जारी की है।

पशुओं की देखभाल के लिए मदद का इंतजार, वर्तमान में गोप्रेमी एवं दानदाता ही मददगार

नंदीशाला में संकट: 5 माह से नहीं मिल रहे पशुचारे के पैसे

- संस्था के प्रधान के रूप में रामकुमार भोजावासिया को जिम्मेदारी सौंपी

रघुनाथपुरा के पास बनी नंदीशाला को नगर परिषद के तत्वावधान में चलाया जा रहा था और हर माह मिलते रहे हैं 4 लाख रुपये

राजकुमार ⏭ नारनौल

रघुनाथपुरा पहाड़ की तलहटी में नगर परिषद द्वारा संचालित श्रीकृष्ण प्रणामी गोवंशशाला (नंदीशाला) में इन दिनों एक गंभीर आर्थिक संकट गहराया हुआ है। पिछले पांच महीनों से नगर परिषद से इस नंदीशाला को पशुचारे के लिए मिलने वाली चार लाख रुपये की राशि अटक गई है, जिससे न केवल नंदीशाला के संचालन में भारी समस्याएं आ रही हैं, बल्कि यहां रहने वाले करीब 600 पशुओं की देखभाल भी मुश्किल हो गई है। इस स्थिति से नंदीशाला के संचालक परेशान हैं, लेकिन वह फिर भी उम्मीद का दामन थामे हुए हैं और चंदे के पैसों एवं दान के माध्यम से इस कठिन समय में अपने कर्तव्यों को निभा रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि शहरी क्षेत्र यानि नगर परिषद एरिया में सड़कों पर अक्सर गोवंश घूमता हुआ मिल जाता था। इस गोवंश के प्रति लोगों में जहां धार्मिक आस्था देखने को मिलती थी, वहीं इनसे कई बार खतरा भी हो जाता था। कई बार सांड आपस में लड़ते हुए जनता या दुकानदारों को नुकसान पहुंचा देते थे। शहर में दो महिलाओं को सांड अब तक मौत के मुंह में धकेल भी चुके हैं। इस कारण इन गायों खासकर सभी गोवंश को पकड़ कर इन्हें गोशालाओं में भेजने की मांग उठने लगी। यह समस्या केवल नारनौल ही नहीं, अपितु पूरे प्रदेश में बनने लगी। जिस पर सरकार ने इन गोवंश को गोशालाओं में भिजवाने का निर्णय लिया तथा इस कार्य को पूरा करने में प्रशासन की ड्यूटी लगा दी। साथ ही तय कर दिया गया स्थानीय निकाय से जुड़ी इकाइयां इस कार्य को करेंगी।

इन्हीं दिशा–निर्देशों के मद्देनजर नगर परिषद नारनौल ने कुछ वर्ष पहले रघुनाथपुरा हनुमान मंदिर के साथ लगती पहाड़ी की तलहटी में एक नंदीशाला खोली और शहर के नंदियों को पकड़कर वहां रखवा दिया। बाद में इस नंदीशाला की संस्था को पंजीकृत कराया गया, ताकि सरकारी अनुदान में कोई कानूनी अड़चन न आए। इस पर इस नंदीशाला को श्रीकृष्ण प्रणामी गोवंशशाला के नाम से पंजीकृत कर दिया गया तथा इसके प्रधान की जिम्मेदारी रामकुमार भोजावासिया को दी गई।

नारनौल। रघुनाथपुरा पहाड़ी पर बनी नंदीशाला। *फोटो : हरिभूमि*

नंदीशाला में 600 गोवंश

अब यह नंदीशाला न केवल पशुओं के लिए एक आश्रय स्थल है, बल्कि यह समाज के उन सदस्यों के लिए भी एक बड़ा सहारा है, जो गायों और अन्य पशुओं के साथ अपनी संवेदनशीलता को जोड़े रखते हैं। यहां विभिन्न धार्मिक और सामाजिक कार्यों में भी सहयोग मिलता है और पशु प्रेमियों का एक बड़ा नेटवर्क इस नंदीशाला को चलाने में सहायक है। इस नंदीशाला के सही प्रकार से संचालन यानि गोवंश की सेवा के लिए करीब 13 मजदूर भी रखे गए हैं, जिन्हें गोशाला से हर माह वेतन प्रदान किया जाता है, लेकिन कुछ समय तक सबकुछ ठीकठाक चलता रहा और नंदीशाला को हर माह नप से 4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता मिलती रही, लेकिन चिंताजनक स्थिति तब पैदा हो गई, जब नप में इस नंदीशाला को चार लाख रुपये की सहायता अटक गई। इससे नंदीशाला संचालन आर्थिक संकट में घिर गया। इस नंदीशाला में फिलहाल करीब 600 गोवंश को रखा गया है, जिनके पशुचारे की व्यवस्था कार्यकारिणी कमेटी को रोजाना करनी पड़ रही है। कार्यकारिणी संचालक और अन्य कर्मचारी नंदीशाला के अस्तित्व के लिए लगातार संघर्ष कर रहे हैं। इस नंदीशाला का संकट, जो फिलहाल धन के अभाव में गहरा गया है, एक गंभीर संकेत है कि प्रशासन को समाज के लिए आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता देनी चाहिए, ताकि भविष्य में इस प्रकार की समस्याओं का समाधान हो सके।

खास बातें

- नगर परिषद क्षेत्र में पहले सड़कों पर गोवंश के घूमने से दुर्घटनाएं और जनहानि की घटनाएं सामने आई थीं

पशुओं के लिए दान और चंदा बन रहा सहारा

नंदीशाला के प्रधान रामकुमार भोजावासिया ने अपनी पीड़ा व्यक्त करते हुए कहा, जब रोजाना पशुचारा चाहिए, तो एक दिन भी कैसे ये पशु भूखे रह सकते हैं। हमें हर माह नगर परिषद से चार लाख रुपये मिलते थे, लेकिन पिछले पांच माह से यह राशि नहीं मिली। अब हम चंदे के पैसों से और गो प्रेमियों की मदद से नंदीशाला को चला रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वर्तमान में नंदीशाला में 600 से ज्यादा पशु हैं, जिन्हें सही देखभाल की आवश्यकता है। इसके साथ ही 13 गोसेवक और मजदूर भी इन पशुओं की देखभाल में जुटे हुए हैं, लेकिन बिना पर्याप्त धन के यह काम करना अब और कठिन हो गया है।

प्रधान का पक्ष

इस मुद्दे पर जब नगर परिषद की प्रधान कमलेश सैनी से बातचीत की गई तो उनका जवाब था कि कि पिछले दिनों अकाउंट्स में कुछ समस्याएं थी, जिस कारण ऑडिट का काम रुक गया था। इसके अलावा नगर परिषद के अधिकारियों का ट्रांसफर भी हुआ था, जिससे चेक पर साइन करने में देरी हुई। उन्होंने कहा अब चेक तैयार है और हम शीघ्र ही नंदीशाला संचालकों को यह राशि सौंप देंगे। हम पूरी कोशिश कर रहे हैं, ताकि कोई और दिक्कत न हो।

23 फरवरी को होगी नपा सदन की अहम बैठक

- वार्ड कमेटियों के गठन पर लगेगी मुहर

हरिभूमि न्यूज ⏭ मंडी अटेली

नगर पालिका अटेली में 23 फरवरी को सदन की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की जाएगी, जिसमें प्रत्येक वार्ड में वार्ड कमेटियों के गठन को लेकर विस्तृत विचार-विमर्श किया जाएगा। बैठक का मुख्य उद्देश्य वार्ड स्तर पर कमेटियों का गठन कर सरकारी योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करना तथा स्थानीय समस्याओं को सीधे नगर पालिका प्रशासन तक पहुंचाना है।

जानकारी के अनुसार, इससे पहले नगर पालिका की ओर से पूरे शहर में मुनादी करवाकर तथा समाचार पत्रों के माध्यम से कमेटी गठन के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए थे। इस प्रक्रिया में कई आवेदन प्राप्त हुए थे। इसके बाद संबंधित वार्ड पार्षदों द्वारा भी कमेटी सदस्यों के नाम प्रस्तावित किए गए हैं। वहीं, कुछ आवेदन सीधे वार्ड निवासियों की ओर से भी प्राप्त हुए हैं, जिन पर आगामी बैठक में चर्चा की जाएगी। बताया गया है कि कमेटी सदस्यों की योग्यता वही होगी, जो नगर पालिका चुनाव में पार्षद पद के लिए निर्धारित की गई है। निर्धारित मापदंडों के आधार पर ही सदस्यों का चयन किया जाएगा, ताकि कमेटियों में जिम्मेदार और योग्य व्यक्तियों को शामिल किया जा सके।

इस बारे में जानकारी देते हुए नगर पालिका सचिव प्रशांत पाराशर ने बताया कि प्रत्येक वार्ड में विकास कार्यों को गति देने और स्थानीय समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए यह पहल की जा रही है। वार्ड कमेटी का चेयरपर्सन संबंधित वार्ड का निर्वाचित पार्षद ही होगा। बैठक में अन्य प्रशासनिक विषयों पर भी चर्चा होने की संभावना है।

मंडी अटेली। अटेली नगर पालिका।

हमला व तोड़फोड़ करने वाले 5 पकड़े

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

पटीकरा क्षेत्र में एक युवक व उसके परिवार पर जानलेवा हमला करने के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए सीआईए ने पांच आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए आरोपितों की पहचान नितिन व मनोज निवासी पटीकरा, अनूप निवासी नांगल चौधरी, दीपक निवासी जटगांवडा व गजेंद्र निवासी खरकड़ी के रूप में हुई है। पुलिस प्रवक्ता सुमित कुमार ने बताया कि 16 फरवरी की रात को आरोपितों ने पुरानी रंजिश के चलते पटीकरा निवासी राहुल के घर के बाहर खड़ी उसकी गाड़ियों में तोड़फोड़ की थी। जब राहुल व उसके परिजनों ने बीच बचाव की कोशिश की, तो हमलावरों ने अवैध हथियारों, लोहे की रॉड व डंडों से जानलेवा हमला कर दिया। इस हमले में राहुल को गंभीर चोटें आईं। जिसके बाद उसे हायर सेंटर रेफर किया गया था। पुलिस ने इस मामले में तत्परता दिखाते हुए विभिन्न धाराओं व आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया था।

नारनौल। पुलिस गिरफ्त में आरोपित।

समाधान शिविर में 32 लोगों ने रखी समस्याएं

नारनौल। आमजन की शिकायतें सुनते नगराधीश डॉ. मंगल सेन। *फोटो : हरिभूमि*

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

हरियाणा सरकार के निर्देश अनुसार वीरवार को लघु सचिवालय के मीटिंग हाल में लगे समाधान शिविर में 32 नागरिकों ने अपनी समस्याएं रखी। नगराधीश डॉ. मंगलसेन की अध्यक्षता में आयोजित इस शिविर में मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को अग्रेषित करते हुए शिकायतों का समाधान करवाया। इस समाधान शिविर में पीपीपी से संबंधित शिकायतों का डेस्क लगाकर निपटारा किया गया। सीटीएम ने कहा कि ये समाधान शिविर आमजन को अपनी समस्याएं रखने का एक बेहतरीन प्लेटफार्म है। उन्होंने बताया कि हर सोमवार व वीरवार को प्रत्येक उपमंडल में सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक समाधान शिविर लगता है। इस मौके पर डीएसपी भारत भूषण सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

युवक से मारपीट कर घायल करने के आरोप में सात नामजद

कनीना। सदर थाना अंतर्गत गांव सुंदरह निवासी एक युवक के साथ बेरहमी से मारपीट कर घायल करने के आरोप में पुलिस ने छह से सात युवकों के खिलाफ केस दर्ज किया है। इस बारे में सुंदरह के पीड़ित युवक महेश्वर ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह बवानिया मोड़ पर मौजूद था, तब उसके पास दीपक ने फोन कर पाली चलने को कहा। इसके बाद दीपक उसके पास बोलेरो गाड़ी लेकर चला गया, जिसमें हरीश व अनीष भी सवार थे। गाड़ी में सवार होकर वे दीपक के ममेरे भाई इंद्रजीत के पास मालड़ा चले गए। खेल मैदान में गए, तो वहां अतुल, जयवीर वासी मालड़ा व हैप्पी वासी इसराना मिले। इनके अलावा वहां पर आठ से 10 युवक और आ गए। दीपक ने उससे मोहित वासी संदुरह का साथ छोड़ने की बात कहीं।

तैयारी ट्रेन संचालन से हरियाणा व राजस्थान के यात्रियों को मिलेगी राहत

आज से दिल्ली सराय रोहिल्ला–फुलेरा–दिल्ली सराय रोहिल्ला का संचालन, नारनौल भी ठहराव

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

राजस्थान के खाटू श्याम में 21 फरवरी से भरने वाले फाल्गुनी मेले के चलते यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए रेलवे प्रशासन ने उत्तर पश्चिम रेलवे की ओर से दिल्ली सराय रोहिल्ला–फुलेरा–दिल्ली सराय रोहिल्ला के बीच अनारक्षित स्पेशल रेलसेवा (तीन ट्रिप) चलाने का निर्णय लिया है। इस विशेष ट्रेन के संचालन से हरियाणा व राजस्थान के यात्रियों को राहत मिलने की उम्मीद है।

मुख्य जनसंपर्क अधिकारी अमित सुदर्शन के अनुसार गाड़ी संख्या 04401 दिल्ली सराय रोहिल्ला रेलवे स्टेशन–फुलेरा जंक्शन रेलवे स्टेशन अनारक्षित स्पेशल 20 फरवरी से 22 फरवरी तक (तीन ट्रिप) संचालित होगी। यह ट्रेन दिल्ली सराय रोहिल्ला से शाम 7:10 बजे रवाना होकर अगले दिन सुबह 2:30 बजे फुलेरा पहुंचेगी। नारनौल यह ट्रेन रात दस बजकर 58 मिनट पर पहुंचेगी। वापसी दिशा में गाड़ी संख्या 04402 फुलेरा–दिल्ली सराय रोहिल्ला अनारक्षित स्पेशल 21 फरवरी से 23 फरवरी तक (तीन ट्रिप) चलेगी। यह ट्रेन फुलेरा से सुबह 11:40 बजे रवाना होकर शाम 6:05 बजे दिल्ली सराय रोहिल्ला पहुंचेगी। यह ट्रेन दिन में 12 बजकर 40 मिनट पर रिंगस पहुंचेगी। जिसके बाद यह दिन में दो बजकर 41 मिनट पर नारनौल पहुंचेगी।

नारनौल। रेलवे स्टेशन।

इन स्टेशनों पर होगा ठहराव

रेलवे अधिकारियों के अनुसार यह स्पेशल ट्रेन मार्ग में दिल्ली कैंट, गुड़गांव, पटौदी रोड, रेवाड़ी जंक्शन, कुंड, अटेली, नारनौल, डाबला, मावंडा, नीम का थाना, कांवट, श्रीमाधोपुर, रिंगस जंक्शन और रेनवाल स्टेशनों पर ठहराव करेगी, जिससे क्षेत्र के यात्रियों को सीधा लाभ मिलेगा। इस विशेष रेलसेवा में 15 साधारण श्रेणी के डिब्बों के साथ गार्ड श्रेणी के दो डिब्बे लगाए जाएंगे। कुल मिलाकर ट्रेन में 17 कोच होंगे। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि वे इस सुविधा का अधिक से अधिक लाभ उठाएं।

कहानी

प्रकाश मनु

गुड़िया दोस्तों के साथ चली चांद के देश

बच्चो, अगर चांद तुम्हारी छत पर उतर आए और बगल में बैठकर आसमान की दुनिया के बारे में बताए, इस बीच तुम्हारे दोस्त भी आ जाएं, सबका मन आसमान की सैर करने को हो जाए, सब चांद की किरणों के खटोले पर बैठकर चल दें तो कितना मजा आएगा! ऐसा ही कुछ गुड़िया के साथ हुआ। पढ़ो, बहुत ही मजेदार कहानी।

उस दिन चांदनी रात थी। गुड़िया अपने घर की छत पर बैठी थी। जोर-जोर से चंदा मामा का गीत गा रही थी, जो उसने आज ही अपनी सहेली चांदनी से सीखा था। वह बार-बार झूम- झूमकर गा उठती-

चंदा मामा दूर के,
खोए पकाए भूर के,
आप खाएं थाली में
गुड़िया को दें प्याली में
कितने मीठे, कितने प्यारे
लड्डू मोतीचूर के!

गुड़िया मजे में यह गीत गा रही थी। गाते-गाते उसने चांद की ओर देखा। चांद खिलखिलाकर हंस रहा था। तभी उसने खुद भी एक प्यारा सा गीत बना लिया और मीठे सुर में गाने लगी-

जल्दी आओ चंदा मामा,
पहन के आओ नया पाजामा!
उजला-उजला नया पाजामा,
पहन के दिखलाओ जी ड्रामा,
जिसमें लंबे से हों लामा,
जिनसे डर के भागे गामा।
भागे गामा, हो हंगामा,
दिखलाओ जी ऐसा ड्रामा...!

अभी वह इस कविता को आगे बढ़ाने के लिए अगली पंक्ति सोच ही रही थी, तभी एक जादू-मंतर सा हुआ। चारों ओर चांदी जैसा खूब घना प्रकाश फैल गया। एकाएक गुड़िया को सुनाई दिया, 'हां, गुड़िया बोलो, मुझे क्यों बुलाया है?'

गुड़िया हैरान। उसकी आंखें चकाचौंध हो रही थीं। उसने अचकचाकर सामने की ओर देखा, 'अरे लो! चंदा मामा तो सामने खड़े हैं! और सचमुच उन्होंने जगमग-जगमग करता सफेद पाजामा पहन रखा है। शुभ्र चांदनी का पाजामा!'

फिर भी गुड़िया ने अपने मन की तसल्ली के लिए पूछा, 'आप...आप चंदा मामा हैं न?'

'हां भई, कोई शक है क्या?' चंदा मामा खुलकर हंसे। फिर बोले, 'तुम लड्डू मोतीचूर के वाला गाना गा रही थीं। खाने हैं तो चलो मेरे साथ।...वहां चाहे जितने मोतीचूर के लड्डू खाना।'

गुड़िया आंखें पटपटाकर बोली, 'ओफ्फोह! चलना तो चाहती हूं, पर अभी मेरी सहेलियां और दोस्त आने वाले हैं। आज हमने कविता-कहानी सुनाने का कार्यक्रम रखा है न! इसी के लिए तो मैं गीत गाकर तैयारी कर रही थी।...और लो जी, यहां तो एक नया ही चक्कर चल पड़ा। मेरे दोस्तों को पता चलेगा तो हक्के-बक्के रह जाएंगे। बल्कि चंदा मामा, उन्हें तो यकीन ही नहीं आएगा कि आप यहां आ गए, मुझसे मिलने।'

'तो चलो, ठीक है। हम भी इंतजार कर लेते हैं तुम्हारे दोस्तों का..।' चंदा मामा ने कहा और गुड़िया के पास वहीं बैठ गए। गुड़िया को प्यारी सी कहानी सुनाने लगे- आसमान की कहानी, चांद-तारों और सूरज की कहानी।

थोड़ी ही देर में गुड़िया की सहेलियां और दोस्त भी आ गए। चंदा मामा को देखकर सब हैरान! गुड़िया ने जब चंदा मामा के बारे में बताया, तो सब उनसे हंस-हंसकर बात करने लगे। आसमान के देश के बारे में बहुत सी बातें पूछने लगे।

चंदा मामा ने कहा, 'चलो, तुम्हें दिखला ही देता हूं अपना देश। और तुम्हें जो कविता-कहानियां सुनानी हैं, उन्हें रास्ते में सुनाते चलना।'

'वाह! वाह! तब तो खूब मजा आएगा।' गुड़िया ने कहा।

'लेकिन चंदा मामा, हम जाएंगे कैसे? आपका देश तो बहुत दूर है न!' नटखट मिंकी ने पूछा।

'हां, पर मुश्किल क्या है। हम तो किरणों के उड़न-खटोले पर जाएंगे न।' चंदा मामा बोले।

'किरणों का उड़न-खटोला!' गुड़िया और उसकी सहेलियों के मुंह अचरज से खुले रह गए, 'सच..!'

'हां!' चंदा मामा ने कहा और उनके इशारा करते ही चांदी की किरणों का चम-चम करता उड़न-खटोला आसमान से जमीन पर आ गया।

सब बच्चे धम-धम-धम करते उसमें बैठे और उड़न-खटोला चल पड़ा। रास्ते में बच्चों ने एक से एक बढ़िया कविताएं-कहानियां सुनानी शुरू कर दीं। कुछ बच्चों ने मजेदार चुटकुले भी सुनाए। हंसते-हंसते चंदा मामा लोट-पोट हो गए।

फिर उड़न-खटोला पहुंचा चांद के देश में। वहां का तो खैर कहना ही क्या था। जिस चीज को देखो, वही चांदी की तरह चम-चम, चम-चम करती हुई। चांदी के कुर्सी-मेज। चांदी का पलंग। चांदी का फर्श। चांदी के फूल, गमले और पर्दे भी।

चंदा मामा ने बच्चों को तारों से मिलवाया, आसमान के राजा सूरज से भी उनकी मुलाकात करवाई, जो बच्चों के सामने सारी तपन छोड़कर ठंडे-शीतल थे। बच्चों ने आसमान में खूब सैर-सपाटा किया। फिर चांद का उड़न-खटोला धरती की ओर चल पड़ा।

बच्चों ने घर आकर अपने-अपने मम्मी-पापा को इस बारे में बताया, तो सब हैरान रह गए। गुड़िया ने हिंदी की मैडम को बताया तो उन्होंने कहा, 'गुड़िया, इस पर एक कहानी लिखो, 'गुड़िया चली चांद के देश।' उसे मैं स्कूल की पत्रिका में छापूंगी। साथ ही किसी बढ़िया आर्टिस्ट से उसका चित्र भी बनवाएंगे।'

गुड़िया ने यह कहानी लिखी तो बच्चों ने खुशी से झूम-झूमकर पढ़ी। अब सब बच्चे यही कहते हैं, गुड़िया अबकी चंदा मामा आएं तो हमसे भी मिलवाना। खुद गुड़िया को इंतजार है- देखें, अब कब आते हैं उसके चंदा मामा? आखिर उन्हें भी तो जरूर नन्ही-मुन्नी सी प्यारी गुड़िया की याद आती होगी ना! *

नन्ही कहानी

हार की चोरी

राजा का पुश्तैनी हार चोरी हो गया। राजा ने अपने मंत्री से सलाह की। मंत्री ने कुछ ऐसी तरकीब निकाली कि बड़ी ही आसानी से हार-चोर पकड़ा गया। मंत्री की क्या थी तरकीब?

एक राजा के महल से उसका पुश्तैनी हार चोरी हो गया। हार जिस जगह से चोरी हुआ था, वहां तक किसी बाहरी आदमी का पहुंच पाना असंभव था। इससे स्पष्ट था कि हार महल के अंदर रहने वालों में से ही किसी ने चुराया है। हार-चोर का पता लगाने के लिए राजा ने अपने मंत्री से सलाह की।

अगले दिन मंत्री एक पुतला लेकर आया। उसने आते ही घोषणा की, 'यह एक मंत्र सिद्ध पुतला है। महल के हर व्यक्ति को इस पुतले के मुंह में अंगुली डालनी है। जिसने हार चुराया है, पुतला उसकी अंगुली पकड़ लेगा।'

मंत्री ने वह पुतला महल के एक कक्ष में रखवा दिया, स्वयं दरवाजे के पास प्रसाद के लड्डू लेकर खड़ा हो गया। सब लोग कक्ष में जाते, पुतले के मुंह में अंगुली डालकर वापस आ जाते। मंत्री सबको हाथ में प्रसाद देकर विदा कर रहा था। इसी क्रम में जब एक दासी कमरे से निकली और जैसे ही उसने प्रसाद लेने के लिए अपना हाथ आगे बढ़ाया, मंत्री ने उसका हाथ पकड़ लिया और राजा से कहा, 'इसी ने हार चुराया है।'

दासी ने पहले तो ना-नुकुर किया, लेकिन जब राजा ने सख्ती दिखाई तो उसने मान लिया कि हार की चोरी उसी ने की है।

राजा ने मंत्री से पूछा, 'मंत्री जी, आपने कैसे पता लगाया कि हार की चोरी इसी दासी ने की है?'

मंत्री ने बताया, 'महाराज, मैंने पुतले के मुंह में रंग लगा दिया था, जो भी उसके मुंह में अंगुली डाल रहा था, उसकी अंगुली में रंग लग रहा था। लेकिन दासी की अंगुली में कोई रंग नहीं लगा था, क्योंकि उसने पुतले के मुंह में अंगुली डाली ही नहीं। उसे डर था, पुतला उसकी अंगुली पकड़ लेगा, क्योंकि हार की चोरी उसी ने की थी।'

सार: चोर का मन बहुत कमजोर होता है। * **प्रस्तुतिः एफएमएन**

कविता / डॉ. मीरा सिंह 'मीरा'

चिड़िया सच बतलाना

चिड़िया, चिड़िया, सच बतलाना,
नीड़ बनाना कैसे जाना?
चुग-चुग दाने चुनकर लाती,
क्या ना थकती, सच बतलाना?
क्या तू भी कुछ नियम तोड़ती,
क्या भरती कोई जुर्माना?
पंख सुनहरे इतने प्यारे,
कहां से पाया, यह बतलाना?
क्या जाती तू नित विद्यालय,
कौन सिखाता तुझको गाना?
जब ऊंचे नभ में उड़ती है,
कैसा लगता, सच बतलाना?

कविता / शिवचरण चौहान

फागुन के फुर्तीले दिन

फागुन के फुर्तीले दिन,
प्यारे रंग-रंगीले दिन।
सरसों के खेतों में फूले,
खुशबू भीने पीले दिन।
धूप शरद-सी चटा रहे,
सबको खूब सजीले दिन।
कोपल-कोपल में लटके,
मोती से चमकीले दिन।
नाच रहे सब मस्ती में,
छम-छम छैल-छबीले दिन।

हंसगुल्ले

चिंटू: मुझे आंख बंद करने के बाद भी दिखाई देता है।
मिंटू: अच्छा, क्या दिखाई देता है?
चिंटू: अंधेरा।
-साकेत, बिलासपुर

नन्ही रिया (अपनी दीदी से): दीदी, मुझे लिखना आ गया है।
दीदी: अच्छा! कुछ लिखकर दिखाओ तो।
रिया ने नोटबुक पर कुछ टेढ़ी-मेढ़ी लाइंस खींच दी।
दीदी: अरे! ये क्या लिखा है तुमने?
रिया: दीदी, अभी मैंने सिर्फ लिखना सीखा है, पढ़ना नहीं सीखा।
-प्रज्ञा, रायपुर

सोनू: तुम हमेशा अपनी जेब में नीबू लेकर क्यों चलते हो?
मोनू: ताकि अगर रास्ते में कोई दुश्मन मिल गया तो उसके दांत खट्टे कर सकूं।
-श्रेया, दुर्ग

जीके क्विज-193

1. हाल में ही पड़ोसी देश बांग्लादेश के नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री का क्या नाम है?
2. विक्टोरिया मेमोरियल किस राज्य में स्थित है?
3. चार सौ ग्रैंड स्लैम जीतने वाले पहले टेनिस खिलाड़ी कौन बने हैं?
4. भारत में किसी राज्य की पहली महिला राज्यपाल कौन बनी थी?
5. भारत में पहली रेलगाड़ी किस वर्ष चली थी?
6. हाल में भारत की यात्रा पर आए इमैनुअल मैक्रॉ किस देश के राष्ट्रपति हैं?
7. 'ग्रैंड ओल्ड मैन ऑफ इंडिया' के नाम से किसे जाना जाता है?
8. सल्फ्यूरिक अम्ल का रासायनिक सूत्र क्या होता है?
9. कौन-सा जीवाणु (बैक्टीरिया) दूध को दही में बदल देता है?
10. किस पुरस्कार को 'एशिया का नोबेल पुरस्कार' कहा जाता है?

बच्चो, जीके क्विज-193 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें balbhoomihb@gmail.com पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-192 का उत्तर: 1.इंग्लैंड, 2.जे.के. रोलिंग, 3.अश्विनी वैष्णव, 4.स्वामी विवेकानंद, 5.स्टेपीज, 6.आइजैक न्यूटन, 7.सैम मानेकशॉ, 8.मंगल, 9.सोडियम क्लोराइड, 10.हेनरी कैवेंडिस

जीके क्विज-192 का सही उत्तर देने वाले: अमित-सक्ती, श्रेया-दामोह, कबीर-हिसार, अनहद-बिलासपुर, अजय-फतेहाबाद, ऊर्जस्वी-सारंगढ़ बिलाईगढ़, शुभम-झज्जर, ज्योति-बैकुंठपुर, रमेश-बैकुंठपुर, सुयश-रायपुर, अर्णव-बिलासपुर, कुसुम-भिलाई, तमन्ना-कोरबा, मनीष-रोहतक, विकास-महासमुंद

नयन दिल्ली के एक होटल में रुकने आया तो उसे अपने रूम में लॉक की जगह एक कार्ड मिला, जिसको लगाने से रूम का डोर लॉक होता, ओपन होता। नयन ने पापा से जब इसके बारे में पूछा तो उन्होंने इसकी पूरी तकनीक उसे समझायी। बच्चो, तुम भी जानो।

नयन की होटल यात्रा

नॉलेज स्टोरी

आलोक कुमार दुबे

नयन अपनी फैमिली के साथ एक शादी में शरीक होने के लिए दिल्ली आया। स्टे के लिए वह एक होटल में गया। साथ में उसके चाचा की भी फैमिली थी। रिसेप्शन पर रजिस्टर में डिटेल भरने के बाद सभी को कमरों का नंबर बताकर उन्हें वहां पहुंचाने को कहा गया। होटल का जो कर्मचारी कमरे तक सामान लेकर आया था, उसने एक प्लास्टिक के कार्ड को कमरे के डोर पर टच किया और फिर हाथ से हैंडल को घुमाकर दरवाजा खोल दिया, फिर उस कार्ड को अंदर दरवाजे के पास एक कार्ड पॉकेट में डाल दिया। तुरंत ही कमरे की बत्तियां जल गईं। उसने बताया कि जब आप बाहर जाएं तो कार्ड निकाल कर साथ में जरूर ले जाएं, नहीं तो डोर अंदर से बंद हो जाएगा, आपको परेशानी होगी। नयन यह सब बहुत ध्यान से देख-सुन रहा था।

मम्मी-पापा जब कमरे में सामान रख रहे थे, नयन ने कमरे का दरवाजा खोला और यह जांचा कि दरवाजा अंदर से खुल रहा है या नहीं? वह बाहर निकल आया और दरवाजा बंद होने पर उसे बाहर से हैंडल घुमाकर खोलने लगा, लेकिन वह नहीं खुल रहा था। दरवाजे के बाहर लगी घंटी के स्विच तक उसका हाथ नहीं पहुंच रहा था। तब-तक बगल के कमरे से निकले चाचा की नजर उस पर पड़ी, उन्होंने पूछा, 'अरे! तुम बाहर क्या कर रहे हो?' चाचा ने घंटी बजाकर दरवाजा खुलवाया और उसे समझाया, 'अपने कमरे का नंबर याद कर लो और बिना बताए बाहर न निकलना। होटल के बाहर तो बिल्कुल भी नहीं। नहीं तो शादी में आने का सारा मजा किरकिरा हो जाएगा।'

कुछ देर बाद सभी लोग नहा-धो कर जब तैयार हो गए तो एक बड़े से कमरे में सभी लोगों को नाश्ते के लिए जाना था। पापा ने कमरे से बाहर निकलने के पहले कार्ड निकाल कर जेब में डाल लिया और दरवाजा बंद कर दिया। वापस आने पर

कार्ड को दरवाजे के हैंडल के पास टच किया और हैंडल घुमा कर दरवाजा खोल लिया। जब नयन से रहा नहीं गया तो उसने पूछा, 'पापा, अपने घर पर तो हम लोग चाबी से दरवाजा खोलते और बंद करते हैं, इस होटल में चाबी की जगह इस कार्ड से दरवाजा खुलता है। यह कैसे होता है, मेरी समझ में नहीं आ रहा है?'

'अरे भाई, इस होटल के दरवाजे पर आर.एफ.आई.डी. तकनीक का ताला लगा हुआ है। जब इस कार्ड को हम पास में लाते हैं तो ताले का रीडर उसे रीड कर लेता है या पहचान लेता है और हैंडल घूमने लगता है, दरवाजा खुल जाता है।' पापा ने नयन को बताया।

'तो क्या अपने कमरे के कार्ड से चाचू के कमरे को खोला जाए तो वह नहीं खुलेगा? ' नयन ने दूसरा प्रश्न किया।

'नहीं, हर कार्ड पर कमरे की संख्या अंकित है। उस कमरे के ताले की रेडियो तरंग (फ्रीक्वेंसी) कार्ड से मिलान होना जरूरी है।' पापा ने जानकारी दी। 'अच्छा अगर अपना कार्ड कहीं खो जाए या हम लोग इसे लेकर घर चले जाएं तो होटल वाले क्या करेंगे?' नयन ने अगला सवाल किया।

'हां भाई, होटल वालों को अकसर ऐसे ग्राहको से पाला पड़ता रहता है। दूसरी चाबी बनाने का खर्च और मेहनत ज्यादा पड़ती है, जबकि एक कार्ड की कीमत बहुत कम होती है। तुमको बता दूं कि यह कार्ड सिर्फ उस समय तक काम करेगा, जब तक का पैसा होटल वालों के पास जमा है, उसके बाद इस कार्ड से भी दरवाजा नहीं खुलेगा और रिसेप्शन काउंटर पर जाकर इसे फिर रिचार्ज कराना पड़ेगा।' 'लेकिन पापा जब हम लोग नाश्ता करने जा रहे थे तो होटल के वर्कर के पास एक ही कार्ड था। वह उस कार्ड से कई कमरे खोल कर उनमें पानी की बोतल आदि सामान रख रहा था, वह कैसे?' नयन ने पूछा। 'यही तो इस तरह के ताले की विशेषता है। होटल के कर्मचारी को साफ-सफाई या अन्य कार्य के लिए हर कमरे की अलग-अलग चाबी नहीं रखनी पड़ती। बस एक मास्टर कार्ड से ही सब कमरे खुल सकते हैं।' पापा ने बताया।

'पापा, मुझे इसीलिए तो आप के साथ घूमने में मजा आता है, क्योंकि नई-नई बातें जानने को मिलती हैं।' यह कहकर नयन ने हंसते हुए ताली बजाई और कमरे से बाहर निकल गया। *

तुम्हारे लिए नई किताब / विज्ञान भूषण

देश के गर्व भारत रत्न

बच्चो, तुम यह तो जानते ही होगे कि अपने देश भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान का नाम भारत रत्न है। आजादी के बाद वर्ष 1954 से अब तक 53 विभूतियों को यह सम्मान प्रदान किया जा चुका है। भारत रत्न देने की शुरुआत कैसे हुई? इसमें क्या प्रदान किया जाता है? और इसे प्राप्त करने वाली विभूतियों के बारे में विस्तार से पुस्तक 'देश के अनमोल रत्नः भारत रत्न' में बताया गया है। इसे प्रसिद्ध बाल साहित्यकार समीर गांगुली ने लिखा है। यहां तुम देश के पहले उपराष्ट्रपति डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन, भौतिक वैज्ञानिक डॉक्टर सी.वी. रमन, पूर्व राष्ट्रपति और वैज्ञानिक ए.पी.जे. अब्दुल कलाम, क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर, गायिका लता मंगेशकर, शहनाई वादक बिस्मिल्लाह खां जैसी अनेक हस्तियों समेत विदेशी मूल की भी दो महान विभूतियों मदर टेरेसा और नेल्सन मंडेला के बारे में भी जान सकते हो। इस किताब को पढ़कर तुम जान सकोगे कि जिन हस्तियों को यह सम्मान प्रदान किया गया उन्होंने अपने-अपने क्षेत्र में कितना अद्वितीय योगदान देकर भारत देश का नाम पूरे विश्व में विख्यात किया। निश्चित ही इस किताब को पढ़कर तुम भी इनकी तरह अपने देश और समाज के लिए बड़े काम करने के लिए प्रेरित होगे। *

किताब: देश के अनमोल रत्न : भारत रत्न,
लेखक: समीर गांगुली, **मूल्य:** 300 रुपए,
प्रकाशक: अद्विक पब्लिकेशन, दिल्ली

रंग भरो-196

रंग भरो-196 में दिए गए चित्र को तुम लोगों ने बहुत अच्छे से रंगकर हमें भेजा। उनमें से चुना गया सबसे अच्छा चित्र हम यहां प्रकाशित कर रहे हैं। उसे रंगकर भेजने वाले बच्चे के चित्र के साथ कुछ अन्य बच्चों के नाम और चित्र भी प्रकाशित कर रहे हैं।

आशना, जांजगीर

दिशांत, महेंद्रगढ़

मीनाक्षी, सक्ती

रेयांश, बिलासपुर

सौम्य, कोरबा

वैशिनका, रायपुर

इनके भी चित्र रहे प्रशंसनीय

माही-महासमुंद, प्रियंका-रायपुर, संचिता-भोपाल, कोमल-रोहतक, लोकेश-जबलपुर, नीरज-बिलासपुर, यश-रायगढ़, खुशी-भिवानी, परी-हिसार, कविता-बालोद, हितेश-दिल्ली, राकेश-धमतरी, अंकित-गुना, प्रिया-करनाल, रचना-कोरबा

रंग भरो 197

बच्चो, यहां अपना होम वर्क पूरा करते हुए चिंकी और मिंकी का एक ब्लैक एंड व्हाइट चित्र दिया गया है। इस चित्र को मनचाहे रंगों से रंग कर हमें भेजो। जिस बच्चे का चित्र सर्वश्रेष्ठ होगा, उसे हम बालभूमि में प्रकाशित करेंगे। चित्र के साथ अपनी फोटो, अपना और शहर का नाम हमें इस पते पर भेजो- संपादक - फीचर, हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सेंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली- 110035 या ई-मेल आईडी balbhoomihb@gmail.com पर मेल करो।

खबर संक्षेप

यदुवंशी कॉलेज में छत्रपति शिवाजी की जयंती मनाई

नारनौल। यदुवंशी डिग्री कॉलेज पटीकरा में छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर प्राचार्य बहरंग लाल ने कहा कि शिवाजी एक देशभक्त नायक थे, जो विदेशी ताकतों को देश से बाहर करना चाहते थे। उन्होंने अपना सम्पूर्ण जीवन देश को आजाद करने में समर्पित कर दिया। यदुवंशी ग्रुप के चैयरमेन व पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह ने कहा कि 1630 में जन्में शिवाजी महाराज के संदेश आज भी भारत भर के छात्रों, नेताओं, सैनिकों व आम नागरिकों को विपरीत परिस्थितियों में भी दृढ़ रहने के लिए प्ररित करते है।

महिला महाविद्यालय में व्याख्यान आयोजित

नारनौल। राजकीय महिला महाविद्यालय वीरवार को मेधा फाउंडेशन से मिस दीक्षा सिंह और मिस्टर रजत उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों के लिए महाविद्यालय में एक प्रोग्राम किया। व्याख्यान का टॉपिक इंपॉर्टेंस ऑफ़ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड हाउ एआई कैन ट्रांसफॉर्म केयर पाथवेज और एम्पलार्इेबिलिटी रहा।

स्वयंसेवकों को दिया स्वथ्य जीवनशैली का संदेश

नारनौल। राजकीय महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन गांव पटीकरा में किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत विभिन्न सामाजिक, शैक्षिक व जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें स्वयंसेवक बढ़ चढ़कर भाग ले रहे हैं। पांचवें दिन कार्यक्रम की शुरूआत प्राचार्य डॉ. राजवीर सिंह की अगुवाई में प्रातःकालीन योगाभ्यास से हुई। उन्होंने स्वयंसेवकों को योग के महत्व के बारे में बताते हुए स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया। इसके बाद कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सतीश के नेतृत्व में पर्यावरण संरक्षण विषय पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई। डॉ. सुधा व डॉ. अमित ने स्वयंसेवकों को सामाजिक दायित्वों व पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया।

हकेंवि में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय वैदिक संगोष्ठी का शुभारंभ

भारतीय ज्ञान परंपरा के प्रसार में दयानंद का योगदान अहम

भारतीय ज्ञान परम्परा का योगदान देश को आगे बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। प्रो. दीप्ति धर्माणी को स्मृति चिह्न भेंट करते कुलपति। फोटो : हरिभूमि

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में बुधवार को दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय वैदिक संगोष्ठी की शुरुआत हुई। भारतीय ज्ञान परंपरा में चिंतन के आयाम एवं युग-दृष्टा महर्षि दयानंद सरस्वती विषय पर केंद्रित इस संगोष्ठी का आयोजन स्वामी दयानंद सरस्वती पीठ व केंद्रीय संस्कृत संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है।

संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय भिवानी की कुलपति प्रो. दीप्ति धर्माणी मुख्यातिथि व महार्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक के प्रो. सुरेंद्र कुमार तथा संस्कृत संवर्धन प्रतिष्ठान के निदेशक प्रो. चांदकिरण सलूजा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि सत्र की अध्यक्षता हकेंवि कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार ने की। उद्घाटन सत्र में स्थानीय विधायक कंवर सिंह यादव की भी गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं राष्ट्रगान वंदेमातरम के साथ हुआ।

प्रो. टंकेशवर कुमार ने संबोधन में भारतीय ज्ञान परम्परा में दयानन्द सरस्वती का अहम योगदान रहा है। भारतीय ज्ञान परम्परा का योगदान देश को आगे बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण है। वेदों के बिना ज्ञान को आगे बढ़ाना अत्यंत कठिन है। कुलपति ने कहा कि आज वैश्विक परिप्रेक्ष्य में भारतीय दर्शन, संस्कृति और वैदिक विचारधारा की ओर पुनः आकर्षण बढ़ रहा है, जो हमारी सांस्कृतिक जड़ों की शक्ति को दर्शाता है।

कुलपति ने अपने संबोधन में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत भारतीय ज्ञान परम्परा के महत्त्व का उल्लेख करते हुए कहा कि यह प्रयास हमारी शिक्षा प्रणाली का पुरातन भारतीय ज्ञान से जोड़ता है। कुलपति ने महर्षि दयानंद सरस्वती के विचारों व प्रयासों को भारत की ज्ञान परम्परा के विकास के लिए महत्त्वपूर्ण बताया। कुलपति ने इस अवसर पर वेदों की महत्ता पर भी प्रकाश डाला।

200 शोधपत्र प्रस्तुत

संगोष्ठी के लिए विभाग को विभिन्न विद्वानों से 200 से ज्यादा शोधपत्र आए हैं और दो दिन में 150 से ज्यादा लोग शोध पत्र प्रस्तुत करेंगे। वेद, उपनिषद, दर्शन, शिक्षा, साहित्य, पर्यावरण, सामाजिक सुधार और राष्ट्र चेतना जैसे विविध विषयों पर 17 तकनीकी सत्र आयोजित किए जा रहे हैं।

धर्म वही है जो धारण करने योग्य हो, और धर्म वही है जो सत्य के साथ हो: दीप्ति धर्माणी

वेद हमारी जड़ें

कार्यक्रम की मुख्यातिथि दीप्ति धर्माणी ने कहा कि वेद हमारी जड़ें हैं। हमने श्रुति और स्मृति को खो दिया और केवल पुस्तकों तक सीमित हो गए। श्लोक को केवल पढ़ना नहीं, उसका मनन होना चाहिए। धर्म वही है जो धारण करने योग्य हो, और धर्म वही है जो सत्य के साथ हो। उन्होंने जोर दिया कि भारतीय ज्ञान परंपरा केवल सैद्धांतिक अध्ययन का विषय नहीं, बल्कि जीवन में आचरण और मूल्य-स्थापन का आधार है। उन्होंने कहा कि आज वैश्विक परिप्रेक्ष्य में भारतीय दर्शन, संस्कृति और वैदिक विचारधारा की ओर पुनः आकर्षण बढ़ रहा है, जो हमारी सांस्कृतिक जड़ों की शक्ति को दर्शाता है। कार्यक्रम को प्रोफेसर चांदकिरण सलूजा, प्रो. सुरेन्द्र कुमार एवं कंवर सिंह यादव ने भी संबोधित किया।

मंडी अटेली। छापड़ा सलीमपुर में घोड़ी पर बनवारा निकालते हुए। फोटो : हरिभूमि

घोड़ी पर निकाला बेटी का बनवारा

मंडी अटेली। क्षेत्र के गांव छापड़ा सलीमपुर में पुरानी संकीर्ण सोच को चुनौती देते हुए समाज में नई मिसाल पेश की गई। यहां एक बेटी का शादी से पहले घोड़ी पर बैठकर अपना बनवारा निकाला, जिसे देखने के लिए लोग उमड़ पड़े। गांव के सत्यपाल यादव और उनकी पत्नी राजेश देवी की बेटी रजनी यादव ने यह साहसिक कदम उठाया। लड़की के पिता सत्यपाल यादव ने बताया कि उनकी बेटी की शादी है। परंपरा है कि केवल बेटों की बनवारा घोड़ी पर निकाला जाता है, लेकिन उनके परिवार की यह इच्छा थी कि बेटी की शादी में उसका बनवारा घोड़ी पर निकाला जाए। आज के समय में बेटा-बेटी में कोई फर्क नहीं है। अध्यापक ओमप्रकाश खनगवाल ने बताया कि बेटियां दो परिवारों का नाम रोशन करती हैं। आज के समय में बेटा बेटी एक समान है उनमें किसी भी तरह का भेदभाव नहीं करना चाहिए। बनवारें में डीजे की धुनों पर महिलाएं, युवा और बच्चे जमकर झूमे। इस मौके पर पर लड़की के चाचा अशोक कुमार, अनिल कुमार, दादी ग्यारसी देवी, चाची अन्नू, मधु यादव, भाई सक्षम यादव, लक्ष्य यादव, बहन खुशी यादव आदि उपस्थित रहे।

माता भूरा भवानी मंदिर में 22 को होगा विराट हिंदू सम्मेलन

- महंत शक्तिनाथ महाराज के सानिध्य में मंदिर परिसर से ध्वजा यात्रा निकाली जाएगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। मंदिर में बैठक करते हुए। फोटो : हरिभूमि

हिंदू एकता, राष्ट्रीय निष्ठा और सांस्कृतिक चेतना को बढ़ावा देने के लिए फरवरी माह में पूरे भारत में कई विराट हिंदू सम्मेलन आयोजित किए जा रहे हैं। इसी उपलक्ष्य में माता भूरा भवानी मंदिर सिसोठ में 22 फरवरी को सुबह नौ बजे विराट हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। सम्मेलन संयोजक वेदप्रकाश आर्य एवं सह संयोजक मुकेश चौहान ने बताया कि विराट हिंदू सम्मेलन सिसोठ को सफल बनाने के लिए हिंदू एकता के प्रचारक कैलाश शर्मा पाली, डॉ. आनंद शर्मा, डॉ. नीरज कर्ण ने सतबीर माजरा कलां, अमित पालडी, पवन लावन, चरण सिंह भगडाना, मंदिर कमेटी प्रधान संदीप यादव, सचिव मा. अनिल सिसोठिया, परमजीत, मुकेश चौहान, रजनीश, ललित यादव, आनंद, राजन, शिव कुमार, श्रीपाल उर्फ पप्पू, सूबे सिंह, जॉनी को सहसंयोजक बनाया गया और उन्हें मालडा मंडल के गांव माजरा कलां, झूक, लावन, भगडाना, सिगड़ी, सिगडा, मालड़ा बांस, मालड़ा सराय के लोगों को सम्मेलन में लाने की ड्यूटी लगाई। संयोजक वेदप्रकाश आर्य ने बताया कि 22 फरवरी सुबह नौ बजे माता भूरा भवानी मंदिर में हवन करने एवं तुलसी पूजन के बाद महंत शक्तिनाथ महाराज के सानिध्य में मंदिर परिसर से ध्वजा यात्रा निकाली जाएगी, जिसमें सभी महिला-पुरुष भारत माता की जय-जयकार करते हुए डीजे के साथ गांव के चारों ओर परिक्रमा करके उस ध्वजा यात्रा का मंदिर परिसर में ही समापन होगा।

बिहाली गोशाला में जन्मदिन पर लगाई सवामणी

मंडी अटेली। श्री कृष्ण बाल गोपाल गौशाला बिहाली में 10 वर्ष के होने पर वाशु पुत्र गोविंद ने गायों के लिए हरे चारे की सवामणी लगाई। उन्होंने गायों के लिए हरा चारा उपलब्ध कराया और भविष्य में भी बिहाली गौशाला में हर संभव सहयोग का भरोसा दिया। उन्होंने कहा कि बेसहारा जानवरों, पशु,पक्षियों का जीवन हम सब पर ही निर्भर है। मनुष्य का सबसे पहला कर्तव्य बनता है कि वो गौ माता की सेवा करें और उनके खाने व पीने की व्यवस्था कर पुण्य का भागी बने। परिवार में किसी की पुण्य तिथि पर, जन्मदिन व शादी की सालगिरह पर हमें गौ माताओं के लिए चाट की सवामणी लगवाकर उन्हें अपने हाथों से खिलाना चाहिए। इस मौके पर दादा मोहित, रमेश कुमार, राजेंद्र, हरिश, गौतम, रोहन, संस्कार, ओमप्रकाश, कुलदीप, बिरेंद्र शर्मा, कार्तिक इत्यादि मौजूद रहे।

बाबा खेतानाथ गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक में प्लेसमेंट ड्राइव आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

बाबा खेतानाथ गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक कॉलेज में नाची टेक्नोलॉजी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की ओर से कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया। इस प्लेसमेंट ड्राइव के लिए कंपनी की ओर से एचआर हेड नवीन कुमार तथा उनकी सहयोगी वंदना युवाओं की जॉब के लिए भर्ती के उद्देश्य से कॉलेज पहुंची।

प्लेसमेंट ड्राइव के दौरान विद्यार्थियों की चयन प्रक्रिया के अंतर्गत टेस्ट एवं साक्षात्कार (इंटरव्यू) दोनों आयोजित किए गए। पहले चरण में विद्यार्थियों का टेस्ट लिया गया, जिसके माध्यम से उनके तकनीकी ज्ञान और विषय संबंधी समझ का मूल्यांकन किया गया। इसके बाद सफल विद्यार्थियों के साक्षात्कार आयोजित किए गए, जिनमें उनकी व्यावहारिक क्षमता, आत्मविश्वास और संचार कौशल को परखा गया। कंपनी प्रतिनिधियों ने बताया कि चयन प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी रही और इसका परिणाम शीघ्र ही जारी किया जाएगा। कॉलेज के प्रधानाचार्य इंजीनियर अनिल यादव ने कहा कि इस प्रकार के कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव विद्यार्थियों को उद्योग जगत से जोड़ने का सशक्त माध्यम है और उनके करियर को नई दिशा देते हैं।

परिवार ने दिया बेटा-बेटी समानता का संदेश

नारनौल। आदर्श नगर के रहने वाले सतपाल यादव व उनकी पत्नी शर्मिला यादव ने समाज में व्याप्त लड़का-लड़की के भेदभाव को नकारते हुए अपनी बेटी रेणुका का बनवारा घोड़ी पर बैठाकर निकाला। परिवार का यह साहसिक कदम देखते ही देखते पूरे इलाके में मिसाल बन गया। बनवारा आदर्श नगर में चारों तरफ परंपरागत ढंग से घूमाया गया। महिलाओं ने कहा कि यह देखकर मन को गर्व महसूस हुआ कि अब समाज वास्तव में बदल रहा है। परिवार ने कहा कि उनके लिए बेटा-बेटी में कोई अंतर नहीं, इसलिए बेटी के बनवारे को वही मान-सम्मान दिया गया जो आम तौर पर बेटों को दिया जाता है। इस मौके पर राम अवतार, बाबूलाल दादाजी, दादी लाली देवी लक्ष्मी देवी, पिता सतपाल यादव, माता शर्मिला, चाचा दयाराम, अनु इनके अलावा चाचा अशोक कुमार, ज्योति, प्रेमप्रकाश, पूर्णचंद, ललिता, चेतना, राकेश कुमार, पूनम, इंद्रजीत, प्रतिभा, अशोक कुमार, प्रियंका मौजूद रहे।

किसानों को फलदार पौधे किए वितरित

महेंद्रगढ़। कृषि विज्ञान केंद्र वीरवार को अनुसूचित जाति उप परियोजना के अंतर्गत गांव भांडोर ऊंची में फलदार पौधे के वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के आयोजक एवं पौध रोग वैज्ञानिक डॉ. नरेंद्र यादव ने बताया की इसमें किसानों को अमरूद एवं नींबू जाति के पौधे किए गए तथा किसानों को पौधे लगाने की विधि, खाद, पानी एवं कीट प्रबंधन आदि के बारे में जानकारी दी गई तथा उनकी पूर्ण रूप से देखभाल के लिए सभी पहलुओं पर प्रकाश डाला और किसानों को अधिक से अधिक फलदार पौधे लगाने के लिए प्रेरित किया।

बाल विवाह मुक्त भारत विषय पर प्रतियोगिता आयोजित

नारनौल। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के 100 दिवसीय अभियान के तहत राजकीय महाविद्यालय कृष्णनगर में बाल विवाह मुक्त भारत विषय पर स्लोगन व पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया। इसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए बाल विवाह के विरोध में प्रभावशाली संदेश प्रस्तुत किए। प्राचार्या डॉ. सुमन यादव ने विद्यार्थियों को सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध जागरूक रहने का संदेश दिया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को बाल विवाह के दुष्परिणामों पर आधारित एक शॉर्ट फिल्म भी दिखाई गई। फिल्म के माध्यम से बाल विवाह से जुड़ी सामाजिक, शैक्षिक और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। स्लोगन प्रतियोगिता में सतीश ने प्रथम, मुस्कान ने द्वितीय व साक्षी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

कार्यक्रम आत्मनिर्भर भारत की दिशा में उठाए गए कदमों की सराहना की

सरकार की योजनाओं पर चित्र प्रदर्शनी का आगाज

- विकसित भारत के निर्माण के लिए युवाओं का आगे आना जरूरी : डॉ. यतेंद्र

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार के केंद्रीय संचार ब्यूरो हिसार की ओर से राजकीय कॉलेज में केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं पर आधारित दो दिवसीय जागरूकता प्रदर्शनी का भव्य शुभारंभ वीरवार को किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ. यतेंद्र राव ने दीप प्रज्वलित कर किया।

प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए मुख्य अतिथि ने कहा कि केंद्र सरकार का लक्ष्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाना है। उन्होंने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए युवाओं को सरकारी योजनाओं की जानकारी लेकर आगे आना होगा। उन्होंने विशेष रूप से केंद्रीय बजट 2026-27 और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में उठाए गए कदमों की सराहना की।

नारनौल। दो दिवसीय जागरूकता प्रदर्शनी का शुभारंभ करते। फोटो : हरिभूमि

वित्तीय साक्षरता व ग्रामीण विकास पर जोर

विशिष्ट अतिथि एवं महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. राजवीर सिंह ने कहा कि सूचना ही सशक्तिकरण है। कार्यक्रम में मुख्य जिला प्रबंधक कार्यालय से वित्तीय साक्षरता सलाहकार डॉ. दयानन्द यादव ने जन धन, मुद्रा और जीवन ज्योति बीमा योजना जैसी बैंकिंग योजनाओं की बारीकियां समझाई। वहीं पंचायत सचिव भगत सिंह ने श्विकसित भारत जी राम जी योजना के माध्यम से ग्रामीण बुनियादी ढांचे में हो रहे सुधारों पर प्रकाश डाला। यूथ एजुकेशन सोसायटी जींद की सांस्कृतिक टीम ने गीतों व नाटकों के जरिए जटिल योजनाओं को सरल भाषा में आमजन के सामने पेश किया।

प्रतियोगिताओं का आयोजन

इस अवसर पर विद्यार्थियों के लिए पोस्टर मेकिंग, भाषण व प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इसके अलावा विजयी व सहभागी विद्यार्थियों को मुख्य अतिथियों ने पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया। इस मौके पर राजकीय महाविद्यालय के उपप्राचार्य डॉ. हवासिंह, कार्यक्रम की संचालक डॉ. मीना यादव सहित महाविद्यालय का समस्त स्टाफ व विद्यार्थी मौजूद रहे। कार्यक्रम का सफल क्रियान्वयन केंद्रीय संचार ब्यूरो हिसार के नोडल अधिकारी नीरज महलावत व उनकी टीम ने किया। अंत में उन्होंने कॉलेज प्रशासन व छात्रों के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

खबर संक्षेप

नाड़ी परीक्षण आज भी रोगों के मूल कारण को समझने में अद्वितीय: डॉ. श्रीनिवास

नारनौल। बाबा खेतानाथ राजकीय आयुर्वेदिक महाविद्यालय एवं अस्पताल पटीकरा में नाड़ी परीक्षा पर आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला सफलतापूर्वक संपन्न हो गई। कार्यशाला में कॉलेज के रोग निदान एवं विकृति विज्ञान विभाग द्वारा महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर डा. श्रीनिवास गुज्जरवार के कुशल मार्गदर्शन में आयोजित की गई, जिसमें छात्र-छात्राओं और चिकित्सकों को आयुर्वेद की प्राचीन और सटीक निदान पद्धति के व्यवहारिक गुर सिखाए गए। कार्यशाला का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और धन्वंतरि वंदना के साथ किया गया। डा. श्रीनिवास गुज्जरवार ने कहा कि आधुनिक युग में जहां चिकित्सा तकनीकें बहुत उन्नत हो गई हैं, वहीं नाड़ी परीक्षा जैसी पारंपरिक एवं पुरानी विधा आज भी रोगों के मूल कारण को समझने में अद्वितीय है।

स्कूली बच्चों ने रोड सेफ्टी के बारे में जानकारी दी

नारनौल। कुलताजपुर रोड स्थित एक निजी स्कूल में रोड सेफ्टी कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें स्कूली छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने रोड सेफ्टी नियमों के बारे में जानकारी दी। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य सड़क सुरक्षा व्यवहार के बारे में जानकारी देना था। इसी दौरान प्रतिभागियों ने सुरक्षित राइडिंग मार्गदर्शन, खतरा पूर्वानुमान प्रशिक्षण, खेल एवं क्विज सत्र भी आयोजित किए गए। वक्ताओं ने कहा कि सड़क सुरक्षा जागरूकता एचएमएसआई की देशभर में सुरक्षा शिक्षा को बढ़ावा देने की व्यापक रणनीति का एक अहम हिस्सा है। स्कूलों, कॉलेजों और विभिन्न संस्थानों के साथ नियमित सहभागिता के साथ-साथ सामुदायिक स्तर की गतिविधियों के माध्यम से सुरक्षित राइडिंग और ड्राइविंग व्यवहार को प्रोत्साहित करने वाली पहलों का लगातार समर्थन करती है।

हकेंवि के हिंदी विभाग के 4 शोधार्थियों का चयन

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के लिए यह अत्यंत गर्व का विषय है कि हिंदी विभाग के चार शोधार्थियों का चयन हरियाणा लोक सेवा आयोग द्वारा सहायक आचार्य (हिंदी) के पद पर हुआ है। इस उपलब्धि से न केवल हिंदी विभाग बल्कि समूचा विश्वविद्यालय गौरवान्वित हुआ है। चयनित शोधार्थी रोबिन, पुनीत कुमार, वंदना, अंकिता यादव और रेखा रानी जिनका पीजीटी अध्यापक चयन हुआ है ने अपनी सफलता के उपरांत सामूहिक रूप से हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो.कमलेश कुमारी तथा प्रो. बीरपाल सिंह यादव के साथ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार, समकुलपति प्रो. पवन कुमार शर्मा, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार व वित्त अधिकारी डॉ. विकास कुमार से भेंट की। साथ ही उन्होंने अपनी शैक्षिक यात्रा, शोध-अनुभव तथा चयन प्रक्रिया के अनुभव साझा किए। कुलपति ने कहा कि यह सफलता विश्वविद्यालय की अकादमिक गुणवत्ता और शोधपरक वातावरण का प्रमाण है। कुलपति ने सभी चयनित शोधार्थियों को भविष्य के लिए शुभाशीष प्रदान करते हुए उनसे अपेक्षा की कि वे शिक्षा-जगत में उत्कृष्ट अध्यापन एवं शोध के माध्यम से समाज और राष्ट्र के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने यह भी कहा कि विश्वविद्यालय अपने विद्यार्थियों और शोधार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है।

जेईई में यदुवंशी स्कूल के विद्यार्थियों ने रचा कीर्तिमान

नारनौल। यदुवंशी स्कूल के विद्यार्थियों ने जेईई मुख्य परीक्षा के प्रथम प्रयास में शानदार सफलता प्राप्त कर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। विद्यालय के कुल 16 विद्यार्थियों ने 90 से अधिक परसेंटाइल अंक हासिल किए। इनमें से छात्र जीवन पुत्र राजेश कुमार ने 99.50, तसवीन पुत्र वीनय कुमार 97.56, तक्षित पुत्र संजीत 97.52, हर्ष पुत्र इन्द्रजीत यादव 97.07, आर्यन राव पुत्र योगेन्द्र सिंह 96.49, चिराग पुत्र छबीला राम 94.4, मुस्कान पुत्री वेदपाल 93.71, सुभम सैनी पुत्र योगेश कुमार 93.41, मोनिका पुत्री राजेन्द्रा गुर्जर 93.41, नम्रता पुत्री राजेश कुमार 92.13, दीपेश पुत्र विकाश 91.71, मुस्कान पुत्री धर्मवीर 91.69, मानव पुत्र रविन्द्र कुमार 91.28, प्रिया पुत्री सतपाल 91.23, हर्ष पुत्र ओमप्रकाश 90.63, सौरव पुत्र राजसिंह 90.54 परसेंटाइल प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया।

हर समस्या का समाधान करें सुनिश्चित: एडीसी

महेंद्रगढ़। लघु सचिवालय परिसर के कोर्ट रूम में वीरवार को एडीसी तरुण कुमार पावरिया की अध्यक्षता में समाधान शिविर का आयोजन किया गया। समाधान शिविर में एडीसी ने आमजन की समस्याएं सुनते हुए समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। इस दौरान एसपी पूजा वशिष्ठ ने पुलिस विभाग से संबंधित शिकायतें सुनी। समाधान शिविर में कुल 31 शिकायतें पंजीकृत हुई। अतिरिक्त उपायुक्त तरुण कुमार पावरिया ने संबंधित विभागाध्यक्षों को निर्देश देते हुए कहा कि विभागाध्यक्ष स्वयं ऐसी शिकायतों पर संज्ञान लें और शिकायतकर्ता की संतुष्टि को ध्यान में रखते हुए समाधान करवाएं, ताकि वहीं शिकायत दोबारा न खुले। उन्होंने कहा कि आमजन प्रशासन पर विश्वास करके अपनी समस्याएं लेकर आते हैं। इसलिए प्राथमिकता के आधार पर लोगों की छोटी से छोटी समस्या का भी समाधान किया जाना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि समाधान शिविर को केवल औपचारिकता न मानते हुए जनसेवा का माध्यम समझें और हर शिकायत का समयबद्ध व स्थाई समाधान सुनिश्चित करें। समाधान शिविर में बलबीर सिंह ने अवैध निर्माण को लेकर शिकायत दर्ज करवाई।

खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी, महेन्द्रगढ़

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि खण्ड महेन्द्रगढ़ की ग्राम पंचायत बुडीन 01 पद पर ग्रामीण सफाई कर्मचारी नियुक्ति करने के लिए आवेदन आमंत्रित है। आवेदक स्त्री या पुरूष कोई भी हो सकता है। शारीरिक रूप से कार्य समर्थ एवं स्वस्थ होना चाहिए तथा उसकी आयु 18 से 55 वर्ष होनी चाहिए व आवेदनकर्ता गांव का स्थायी निवासी होना चाहिए। वह किसी भी कार्य दिवस में खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी, महेन्द्रगढ़ कार्यालय में लेखाकार से आवेदन पत्र प्राप्त करके दिनांक 23.02.2026 से 03.03.2026 तक कार्य दिवस में (कार्यालय समय सुबह 09:00 बजे से सायं 05:00 बजे तक) जमा करवा सकते हैं। उक्त पद पर चयन उपरान्त हरियाणा सरकार द्वारा निर्धारित दरों अनुसार मानदेय प्रदान किया जायेगा।

फार्म प्राप्त करने की तिथि	23.02.2026 से 03.03.2026
साक्षात्कार की तिथि	06.03.2026

हस्ता/- खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी, महेन्द्रगढ़।

खबर संक्षेप

बोलेरो की टक्कर से दंपति घायल

कनीना। बेवल गांव के समीप सड़क दुर्घटना में बाइक सवार दंपति घायल हो गए। घायलों की पहचान झिगावन वासी सत्यसिंह व इंदु के रूप में हुई है। घायल सत्यसिंह ने दौंगड़ा अहीर पुलिस चौकी में दी शिकायत में बताया कि वह बाइक पर सवार होकर अपनी पत्नी के साथ किसी काम से बेवल की ओर जा रहा था। बेवल गांव के समीप पहुंचा तो पीछे से तेज गति से आ रही बोलेरो ने उन्हें टक्कर मार दी। परिजनों ने उपचार के लिए अस्पताल में दाखिल करवाया। आरोपित चालक की पहचान खैराना निवासी नवीन के रूप में हुई है। पुलिस ने शिकायत पर कार चालक के खिलाफ केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

पुलिस ने काटा बाइक का सीट बेल्ट का चालान

नारनौल। पुलिस ने एक बाइक का सीट बेल्ट का चालान काट दिया गया। मामला सामने आने के बाद परिवहन नियमों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं। बाइक मालिक राजपाल ने बताया कि 13 फरवरी को बाइक उनका बेटा एकांश यादव बाइक लेकर खेत की ओर जा रहा था। बताया गया कि युवक खेत में जाने के लिए निकला था, लेकिन पुलिस ने वाहन को रोककर इंपाउंड कर दिया। राजपाल के अनुसार जब वे पुलिस चौकी फैजाबाद पहुंचे, तो पता चला कि बाइक का ऑनलाइन चालान काट दिया गया है। सबसे हैरानी की बात यह रही कि चालान में सीट बेल्ट उल्लंघन भी दर्ज है, जबकि बाइक पर सीट बेल्ट का प्रावधान ही नहीं होता। इसके अलावा कुछ अन्य ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन भी दर्ज बताए जा रहे हैं।

श्रीश्याम सेवा शिविर का शुभारंभ आज

नांगल चौधरी। नियामतपुर मौरूंड में मोर मुकुट सेवा समिति के तत्वावधान में 19वें श्रीश्याम सेवा शिविर का शुभारंभ 20 फरवरी को किया जाएगा। जिसमें श्याम भक्तों को निःशुल्क भोजन व विश्राम की सुविधा मिलेगी। कमेटी के प्रवक्ता ने बताया कि भरां वाले हनुमान मंदिर मौरूंड में हर साल श्रीश्याम सेवा शिविर की परंपरा बनी हुई है। जिसमें ध्वजा लेकर पैदल चलने वाले श्रद्धालुओं को जलपान, भोजन उपलब्ध कराने के साथ रात्रि ठहराव की व्यवस्था मुहैया कराई जाएगी। श्रीश्याम के भजनों का विशेष प्रबंध किया गया है, ताकि यात्रियों को थकान से राहत मिल सके।

दिसंबर में सांसद धर्मबीर सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित हुई मीटिंग में रखे गए थे प्रस्ताव

खनिज फाउंडेशन की 6.5 करोड़ की ग्रांट से होंगे तीन दर्जन से भी अधिक गांवों में विकास कार्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

जिले के तीन दर्जन से भी अधिक गांवों में जिला खनिज फाउंडेशन की ग्रांट के तहत लगभग 6.5 करोड़ रुपये की राशि से विभिन्न विकास कार्य करवाए जाएंगे। इस बारे में अधिक जानकारी देते हुए विकास एवं निगरानी समिति सदस्य संदीप मालड़ा ने बताया कि दिसंबर में जिला खनिज फाउंडेशन की एक महत्वपूर्ण बैठक सांसद धर्मबीर सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित हुई थी। इस बैठक में जिला खनिज फाउंडेशन के फंड के तहत विभिन्न गांवों में विकास कार्य के अनेक एजेंडे रखे गए थे। खनन विभाग की तरफ से इन सभी विकास कार्यों के रिव्यू के बाद फाउंडेशन के चेयरमैन द्वारा जिला उपायुक्त के सामने ये रखे गए थे। फाउंडेशन की बैठक में सांसद धर्मबीर सिंह ने निर्देश दिए थे कि जिला प्रशासन ये सुनिश्चित करे कि विकास के इन सभी कार्यों पर जल्द-से-जल्द कार्य शुरू करवाए जाए। जिला उपायुक्त की तरफ से अब इन सभी कार्यों को मंजूरी प्रदान कर पंचायती राज विभाग को नोडल एजेंसी के रूप में नियुक्त किया गया है।

महेंद्रगढ़। गांव डुलाना का पंचायती बोरवेल से सलीमाबाद रोड तक का कच्चा रास्ता।

प्रमुख कार्य

27 गांवों में साफ-सफाई के लिए दिए जाएंगे ट्रैक्टर एवं ट्रॉली।

10 गांवों में बनेगी ई-लाइब्रेरी, प्रत्येक पर खर्च होंगे पांच लाख।

छह गांवों में जोहड़ों को नहरी नेटवर्क से जोड़ा जाएगा।

इन गांवों में दिए जाएंगे ट्रैक्टर एवं ट्राली

सरकार की ओर से जड़वा, बखरीजा, बायल, नांगल दर्गु, धौलेड़ा, गोलवा, मूसनौता, पाचनौता, ढाणी रावता, बिगोपुर, गांवडी जाट, ऊष्मापुर, राजावास, गढ़ी, डिगरोता, मुकन्दपुरा, दोखेरा, सरेली, निजामपुर, रोपड़ सराय, छापड़ा बीबीपुर, आंतरी, बिहारिपुर, खतौली अहीर, बसीरपुर व पथरवा गांव को ट्रैक्टर एवं ट्रॉली दिए जाएंगे।

नहरी नेटवर्क से जुड़ेंगे जोहड़

गांव का नाम	लागत
भांडोर ऊंची	सात लाख
खेड़ा	22 लाख
रिवासा	30 लाख
नांगल सिरोही	25 लाख
कालबा	10 लाख
कोथल कलां	30 लाख

इन गांवों में बनेगी ई-लाइब्रेरी

दौंगली, गोठड़ी, माधोगढ़, डालनवास, मूसनौता, छापड़ा बीबीपुर, लूजोता, बिगोपुर व मौसमपुरा में ई लाइब्रेरी बनाई जाएंगी।

गांवों के विकास कार्य पर होने वाली लागत

गांव पथरवा-ढाणी ब्राह्मणान में शिव मंदिर से शिव धाम का रास्ता -	15 लाख
गांव जवाहर नगर- खेल मैदान की चारदिवारी व पार्क का निर्माण -	20 लाख
वार्ड नंबर 15 नारनौल-शिव धाम तक रास्ता निर्माण -	15 लाख
महेंद्रगढ़ शहर रेजांगला पार्क के पास बोरवेल-	10 लाख
गांव बवानिया-प्रगतिशील संगठन के मशीनरी -	6.5 लाख
गांव दनचोली-पंचायत घर में टीन शैड एवं गांव में पार्क का निर्माण-	19 लाख
गांव डुलाना-पंचायती बोरवेल से लेकर सलीमाबाद सड़क रास्ता निर्माण-	15 लाख
गांव गोठडी-सामुदायिक केंद्र का निर्माण-	20 लाख
गांव आदलपुर-इनडोर जिम-	पांच लाख
गांव बास खुड़ाना-शिव मंदिर से जोहड़ तक फिरनी निर्माण-	10 लाख
गांव सतनाली-गोशाला में शेड निर्माण-	20 लाख
गांव सिरीही बाहली-एससी बस्ती से स्कूल तक नाला निर्माण-	15 लाख
गांव कारोली-बोरवेल-	10 लाख
गांव भूषण कला-एथलेटिक्स ट्रैक का निर्माण-	15 लाख
गांव दोखेरा-आरओ प्लांट-	पांच लाख
गांव बखरीजा-आरओ प्लांट-	पांच लाख
गांव इस्लामपुरा-ओपन जिम एवं ट्रैक निर्माण-	20 लाख

नपा प्रधान ने पूर्व सचिव की कार्यप्रणाली पर उठाए कड़े सवाल

50 वर्षों से काबिज दुकानदारों का किराया पुनः शुरू करने के आदेश

पुलिस, पीडब्ल्यूडी व आईटीआई विभाग ने किया दुकानों पर मलकियत का दावा, केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

नगरपालिका कार्यालय में गुरुवार को प्रधान की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक का मुख्य केंद्र बिंदु बालाजी चौक से आईटीआई रोड पर स्थित नगरपालिका की दुकानों का किराया बंद होने से उपजा विवाद रहा। प्रधान ने पूर्व सचिव की कार्यप्रणाली पर कड़े सवाल उठाते हुए अधिकारियों को आगामी 10 दिनों के भीतर किराया वसूली प्रक्रिया दोबारा शुरू करने के सख्त निर्देश दिए हैं। बैठक के दौरान प्रधान ने बताया कि बालाजी चौक से आईटीआई रोड तक करीब 50 वर्ष पहले नगरपालिका द्वारा 50 से अधिक दुकानें बनाकर नियमानुसार आवंटित की गई थीं। दुकानदार दशकों से समय पर किराया जमा कर रहे थे, लेकिन पूर्व सचिव प्रशांत पराशर ने बिना किसी ठोस कारण, बिना नोटिस और बिना किसी कानूनी आधार के मौखिक आदेशों से किराया लेना बंद कर दिया था।

प्रधान ने स्पष्ट किया कि यह निर्णय सचिव के अधिकार क्षेत्र से बाहर था। इस संबंध में न तो प्रधान से विचार-विमर्श किया गया और न ही उच्च अधिकारियों से अनुमति ली गई। इस मनमाने फैसले से नगर पालिका को भारी वित्तीय हानि हुई है और दुकानदारों को मानसिक प्रताड़ना झेलनी पड़ रही है। इस मौके पर नगर पालिका सचिव गौरव सांगवान, एमई राजेश कौशिक, जेई नवदीप सिंह व दुकानदार उपस्थित रहे।

महेंद्रगढ़। बैठक लेते नगर पालिका प्रधान रमेश सैनी। *फोटो हरिभूमि*

10 दिन की सीमा तय

नगर पालिका प्रधान ने प्रशासन को अल्टीमेटम देते हुए कहा कि 10 दिन के अंदर कानूनी प्रक्रिया पूरी कर किराया वसूली की फाइल आगे बढ़ाई जाए और उन्हें रिपोर्ट सौंपी जाए। उन्होंने साफ किया कि नगरपालिका की संपत्ति की रक्षा करना और दुकानदारों के हितों का ध्यान रखना उनकी प्राथमिकता है।

मलकियत विवाद पर होगी कानूनी घेराबंदी

मामले में नया मोड़ तब आया जब यह संज्ञान में लाया गया कि पुलिस विभाग, पीडब्ल्यूडी और आईटीआई विभाग ने इन दुकानों पर अपनी मलकियत का दावा करते हुए न्यायालय में केस दायर कर दिया है। इस पर प्रधान ने कड़ा रुख अपनाते हुए सचिव को आदेश दिया कि तहसीलदार के माध्यम से तुरंत उक्त भूमि की दोबारा पैमाइश करवाई जाए ताकि स्थिति स्पष्ट हो सके। नगरपालिका के वकील से परामर्श लेकर अन्य विभागों द्वारा किए गए दावों का मजबूती से जवाब दिया जाए। उच्च अधिकारियों को पत्र लिखकर इस पूरे मामले से अवगत कराया जाए।

नारनौल। कस्तूरबा गांधी स्कूल का नियामतपुर में बना भवन। *फोटो : हरिभूमि*

कस्तूरबा गांधी स्कूल में दाखिले के लिए आवेदन शुरू

नारनौल। राजकीय कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय नियामतपुर में छठी कक्षा में दाखिला लेने के लिए प्रवेश फॉर्म मिलने आरंभ हो गए हैं। प्रधानाचार्य विजय सिंह यादव ने बताया कि फॉर्म 15 फरवरी से विद्यालय में मिलने आरंभ हो गए हैं। इसलिए जिन अभिभावकों को अपनी लड़कियों को छठी कक्षा में दाखिला दिलाना है, वह विद्यालय ऑफिस से प्रवेश फार्म प्राप्त कर सकते हैं। फॉर्म को पूर्ण रूप से भरकर एक मार्च को प्रातः 11 बजे तक जमा कर सकते हैं। इस विद्यालय में केवल अनाथ, फादरलेस, मदरलेस, एससी, बीसी ए, बीसी बी, बीपीएल, सिंगल गर्ल चाइल्ड, जिन पेरेंट्स को केवल लड़कियां ही हैं और कोई लड़का नहीं है, दाखले का फॉर्म भर सकती हैं। प्रधानाचार्य ने बताया कि यह एक राजकीय बालिका आवासीय विद्यालय है, जिसमें पूरी शिक्षा और हॉस्टल का खर्चा सरकार द्वारा वहन किया जाता है।

महेंद्रगढ़। पार्क में स्वच्छता अभियान चलाते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

आरपीएस ने तीसरे दिन चलाया प्लास्टिक मुक्त अभियान

महेंद्रगढ़। आरपीएस डिग्री कॉलेज के स्वयंसेवकों द्वारा संचालित शिविर के तीसरे दिन समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के उद्देश्य से कई महत्त्वपूर्ण जागरूकता और स्वच्छता अभियान का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस शिविर का संचालन एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. राजेश डागर के कुशल नेतृत्व में किया जा रहा है, जिसमें कुल 200 स्वयंसेवक भाग ले रहे हैं। इस दौरान युवाओं ने पर्यावरण संरक्षण, नशा मुक्ति और 'विकसित भारत' के निर्माण में जनभागीदारी का संदेश दिया। शिविर के तीसरे दिन की शुरुआत शहर के देवीलाल पार्क से हुई। पार्क परिसर में भारी मात्रा में पड़ी प्लास्टिक की बोतलें, पॉलीथिन और कूड़ा-करकट देखकर स्वयंसेवकों ने तुरंत 'प्लास्टिक मुक्त महेंद्रगढ़' अभियान छेड़ दिया। सभी ने मिलकर पार्क में व्यापक स्तर पर सफाई की और उसे प्लास्टिक मुक्त बनाया।

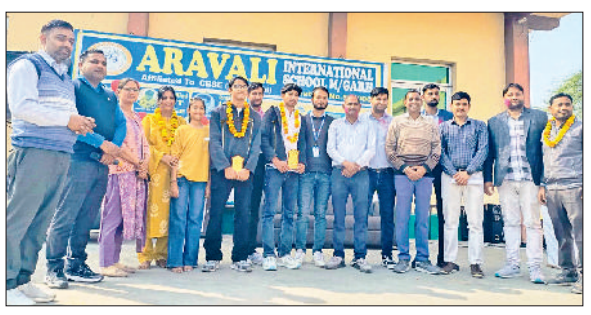

महेंद्रगढ़। खुशी जाहिर करते विद्यार्थी। *फोटो : हरिभूमि*

अरावली इंटरनेशनल स्कूल का शानदार प्रदर्शन

महेंद्रगढ़। अरावली इंटरनेशनल स्कूल के 14 विद्यार्थियों ने आईआईटी, जेईई की परीक्षा क्वालिफाई की है। छात्र ज्यंत यादव ने 99.193 परसेंटाइल लेकर विद्यालय को टॉप किया। शुभम, कशिश, तनिश, विकास, विशाल, पूर्व ने 95 परसेंटाइल लेकर स्कूल का नाम रोशन किया। चेयरमैन अशोक कुमार ने बताया कि ये बच्चे शुरु से ही अरावली स्कूल में पढ रहे है। विद्यालय में ही रेगुलर कक्षा ऐटेंड करके यह उपलब्धि हासिल की है। बच्चों के अभिभावकों ने विद्यालय व अध्यापकों का धन्यवाद किया। प्राचार्य शक्ति सिंह ने सभी विद्यार्थियों को बधाई देकर अन्य छात्रों को भी आगे आने वाली अन्य प्रतियोगी परीक्षा में सफलता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। चेयरमैन अशोक कुमार व सीईओ महेश यादव ने सफलता प्राप्त करने वाले बच्चों को सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य कि कामना की।

आरपीएस के छात्रों ने किया केंद्रीय विश्वविद्यालय का भ्रमण

महेंद्रगढ़। आरपीएस डिग्री कॉलेज के मानविकी विभाग के छात्र-छात्राओं ने वीरवार को हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय जाट-पाली का एक दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण किया। इस भ्रमण का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को उच्च शिक्षण संस्थानों की कार्यप्रणाली, आधुनिक अनुसंधान सुविधा और शैक्षणिक वातावरण से रूबरू कराना था। चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव और सीईओ मनीष राव ने विद्यार्थियों को अपनी शुभकामना प्रेषित की। उन्होंने कहा कि इस तरह के शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों के दृष्टिकोण को व्यापक बनाते हैं और उन्हें भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करते हैं। आरपीएस ग्रुप सदैव विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के प्रति प्रतिबद्ध रहा है। भ्रमण दल को कॉलेज कुलसचिव डॉ. देवेंद्र यादव, निदेशक डॉ. महेश यादव, संस्थान प्राचार्य देवेन्द्र सिंह कादियान, अधिष्ठाता डॉ. हेमंत कुमार एवं विभाग अध्यक्ष डॉ. राजेश डागर ने भ्रमण दल को रवाना किया। प्राचार्य देवेन्द्र सिंह कादियान ने कहा कि किताबी ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक अनुभव विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है।

जेईई में सीएल स्कूल के छात्रों का शानदार प्रदर्शन

नारनौल। आईआईटी जेईई मेन के घोषित परिणाम में सीएल पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन किया। विद्यालय के मेधावी छात्रों ने उत्कृष्ट परसेंटाइल हासिल कर सफलता का परचम लहराया। प्राचार्य रविन्द्र सिंह ने बताया कि जेईई मेन में विद्यालय के चार विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। सुमित कुमार पुत्र रणसिंह ने 98.63 परसेंटाइल, मयंक सैनी पुत्र देवेंद्र कुमार 96.2, दिपांशु वर्मा पुत्र रवि शंकर ने 95.04 परसेंटाइल व गौरव शर्मा पुत्र संदीप कुमार ने 90.7 परसेंटाइल प्राप्त किए। निदेशक डॉ. अमित गुप्ता ने सभी विद्यार्थियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह परिणाम विद्यार्थियों की मेहनत, शिक्षकों के मार्गदर्शन व अभिभावकों के सहयोग का प्रतिफल है।

प्रतिनिधियों को दी जाएगी तकनीकी जानकारी ग्राम पंचायतों में ई-शासन प्रणाली होगी लागू

- पंचायती राज संस्थाओं को सशक्त बनाने के लिए 23 फरवरी से शुरू होगा विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान योजना के तहत पंचायती राज संस्थाओं के प्रतिनिधियों और कर्मचारियों के लिए 23 फरवरी से 31 मार्च तक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। यह प्रशिक्षण अभियान जिला एवं खंड स्तर पर अलग अलग चरणों में चलाया जाएगा। यह जानकारी देते हुए जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी उदय सिंह ने बताया कि इस कार्यक्रम में सरपंचों, ग्राम सचिवों, लेखाकारों, लेखा अधिकारियों और पंचायत स्तर के संचालकों सहित पंचायत प्रणाली से जुड़े सभी प्रमुख पदाधिकारियों को शामिल किया गया है।

उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान मुख्य रूप से डिजिटल शासन और वित्तीय पारदर्शिता पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। इसके तहत ई ग्राम स्वराज पोर्टल, सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली, ऑडिट, ऑनलाइन और सरकारी ई मार्केटप्लेस जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से जानकारी दी जाएगी।

पारदर्शी होगी प्रणाली

जिला परियोजना प्रबंधक ई पंचायत नितिन शर्मा ने कहा कि इन कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य पंचायतों में ई शासन प्रणाली को प्रभावी ढंग से लागू करना है। विभिन्न डिजिटल माध्यमों से पंचायतों की कार्यप्रणाली पहले से अधिक पारदर्शी, तेज बनेगी। उन्होंने कहा कि इस प्रशिक्षण से पंचायत प्रतिनिधियों और कर्मचारियों की तकनीकी कुशलता बढ़ेगी,जिससे योजनाओं का लाभ आम नागरिकों तक पहुंच सकेगा। यह प्रशिक्षण ग्रामीण स्तर पर विकास कार्यों के बेहतर प्रबंधन और संचालन में एक मजबूत आधार सिद्ध होगा।

जेईई में राजवंशी के 15 विद्यार्थियों ने पाई सफलता

नारनौल। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की ओर से घोषित जेईई मेन परीक्षा परिणाम में राजवंशी स्कूल दौचाना के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए सफलता का परचम लहराया है। इस वर्ष कुल 15 विद्यार्थियों ने परीक्षा उत्तीर्ण की, जिनमें से सात विद्यार्थियों ने 80 परसेंटाइल से अधिक अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया। विद्यालय के छात्र रोहित ने 96.018 परसेंटाइल प्राप्त कर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। इसके अतिरिक्त आयुष भार्गव ने 95.87, मणिकांत ने 94.89, मयंक ने 94.39, अमन ने 83.70 परसेंटाइल प्राप्त कर सफलता पाई। अन्य विद्यार्थियों ने भी 80 परसेंटाइल से अधिक अंक प्राप्त कर अपनी मेहनत का परिचय दिया। प्राचार्य दिनेश कुमार सांखला ने विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों की निरंतर मेहनत, शिक्षकों के मार्गदर्शन व अभिभावकों के सहयोग का परिणाम है। उन्होंने कहा कि स्कूल में विद्यार्थियों को अकादमिक उत्कृष्टता के साथ-साथ मानसिक और शारीरिक विकास पर भी ध्यान दिया जाता है। विद्यार्थियों को समावेशी वातावरण प्रदान किया जाता है, ताकि वे जीवन में भी सफलता प्राप्त कर सकें।

ग्रीष्म ऋतु में नहरी पानी से जल भंडार में मिलेगी सहायता

पक्के जल भंडार देंगे किसान को तीसरी फसल: अभय

क्षेत्र में जल भंडारों से फल एवं सब्जियों की खेती को मिलेगा बढ़ावा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

नांगल चौधरी हल्के में दो दर्जन से अधिक गांवों में बने पक्के जल भंडारों का पानी आस पास के किसानों को गर्मी के मौसम में तीसरी फसल लेने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। पूर्व सिंचाई मंत्री डॉक्टर अभय सिंह यादव ने वीरवार इस विषय में बोलते हुए कहा कि गर्मी की ऋतु में नहरों में उपलब्ध पर्याप्त पानी से इन जल भंडारों को एक से अधिक बार भरा जा सकता है। जिसके परिणामस्वरूप सिंचाई के लिए इन जल भंडारों में पर्याप्त पानी उपलब्ध रहेगा। इस जल का प्रयोग करके विभिन्न प्रकार की सब्जियों की फ़सल व पशु चारा उगाने के लिए किया जा सकता है। गर्मी में तीसरी फसल की सिंचाई यथासमय और अपनी आवश्यकता के अनुसार की जा सकती है।

डा. अभय सिंह यादव।

पीने के पानी के बाद कृषि के लिए जल भंडारों को दें वरीयता

इन जल भंडारों में पानी की उपलब्धता को सुनिश्चित करने के लिए उन्होंने बताया कि उन्होंने सिंचाई विभाग के अधिकारियों से इस विषय में अनुरोध किया है कि आगामी पानी की बारी में पीने के पानी के जल भंडार भरने के उपरांत कृषि के लिए बनाए गये इन जल भंडारों को वरीयता से भरें। उन्होंने अधिकारियों से यह भी कहा है कि गर्मियों में पानी की प्रत्येक बारी में किसानों द्वारा उपयोग से ख़ाली हुए जल भंडारों को भरना सुनिश्चित करें ताकि किसान को लगातार पानी मिलता रहे। पूर्व सिंचाई मंत्री ने किसानों से अपील की कि इस दिशा में वह महत्वपूर्ण पहल करे और ताकि यह क्षेत्र कृषि और फलों के उत्पादन में अपना स्थान बना सके।

किसान भी जलभंडार बनाकर करें अच्छी शुरुआत

पूर्व सिंचाई मंत्री ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि कृषि को अधिक लाभप्रद बनाने के लिए तीसरी फ़सल किसान की आमदनी बढ़ाने में महत्वपूर्ण भागीदारी प्रदान कर सकती है। गर्मी में उगायी जाने वाली सब्जियों के भाव भी अच्छे मिलते हैं और किसान को एक निश्चित आमदनी दे सकती हैं। परंपरागत तरीके से लिए जाने वाले फ़सल चक्र में आमतौर पर रबी एवं ख़रीफ़ की फ़सल ही मुख्य रूप से होती है। परंतु फल और सब्जियों की खेती को अब पूरे प्रदेश में बढ़ावा मिल रहा है और प्रदेश के कुछ हिस्सों में किसान फल और सब्जियों की कृषि से अच्छी आमदनी ले रहे हैं। अतः हमारे क्षेत्र के किसान भी इन जल भंडारों में उपलब्ध पानी से एक अच्छी शुरुआत कर सकते हैं। उन्होंने कृषि और बागवानी विभाग के अधिकारियों से भी आग्रह किया कि वे इस दिशा में किसानों का उचित मार्गदर्शन करें।

श्रीकृष्ण स्कूल का जेईई मेन्स का परिणाम

नारनौल। जेईई मेन्स परीक्षा में श्रीकृष्ण सीनियर सेकेण्डरी स्कूल भुंगारका के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। मानव पुत्र गंगाराम ने 98.44 परसेंटाइल, सितांशु पुत्र देवेन्द्र कुमार 92.55, नितिन पुत्र राजकुमार 92.50, हिमेश कुमार पुत्र कृष्ण कुमार 88, मोनिका पुत्री महेश 86.23, यश कुमार पुत्र सुनिल कुमार 81.20, समीर पुत्र मनोज कुमार 80.50 परसेंटाइल प्राप्त किए। इनके अलावा जिया, आकाश, साक्षी, भूपेश, पारूल, हरीश, नेहा ने शानदार प्रदर्शन किया। प्राचार्य वेदपाल यादव ने कहा कि क्षेत्र में होनहार प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है, बस उन्हें सही मार्गदर्शन की जरूरत है। चेयरमैन राजपाल यादव ने कहा कि संस्था सभी वर्गों के विद्यार्थियों को शिक्षा के क्षेत्र में आगे ले जा रही हैं।

नारनौल। सफलता प्राप्त करने वाले विद्यार्थी।